

न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, श्वेरीमड्डुआ (गिरडीह)

काद सं ५७/२०१७
 विरेन्द्र कुमार - बनाम - महेंद्र पंडित वगैरह
 धारा १५५ दं प्र सं

आदेश फलक

23-9-17

अभिलेख उपस्थापित। बाबा प्रभारी जावा
 बाबा से प्राप्त प्रतिवेदन पर सुनवायी करते हुए
 शांति-व्यवस्था भंग होने की सम्भावना को देखते
 हुए प्रश्नगत भूमि पर दं प्र सं की धारा १५५ के
 तहत उभय पक्षों के लिए निषेधाज्ञा लगायी गयी
 तथा कारण-पृच्छा की गयी।

विवादित भूमि निम्न है:-

भौजा - श्वातानर - प्लॉट नं - रकबा
 महतपुर - ०५ - ३१५ - १७ $\frac{1}{4}$ डी० के
 मध्य ४ $\frac{5}{8}$ डी०

चौहद्दी:- ३० - धनेसर पंडित पिता स्व० भंगर
 पंडित का मकान एवं श्वाली प्लॉट १६० - नीज।
 पु० - ग्रामीण पी० सी० सी० सड़क। प० - कपिलदेव
 सोनार पिता स्व० मेधन सोनार का श्वाली प्लॉट
 नं ३१५

दोनों पक्षों के ओर से लिखित जवाब एवं
 कारण-पृच्छा दाखिल किया गया है, जिसमें दोनों
 पक्षों को कथन लिखित जवाब में अंकित है।
 दोनों पक्षों के ओर से केवाला की दस्ता
 प्रतियाँ दाखिल किया गया है।

अभिलेख का अवलोकन किया प्रश्न-
 गत भूमि को प्रथम पक्ष के द्वारा द्वितीय पक्ष
 के महेंद्र पंडित की पत्नी दुर्गा देवी से निषे-
 धित केवाला सं० २२२५ दिनांक १८-५-१९९५
 को शरीद किया है।

केवाला में वर्णित चौहद्दी के अनुसार
 प्रथम पक्ष के विज्ञान अधिकारी द्वारा भूमि
 का मापी कराने का अनुरोध किया गया है।
 उक्त आलोक में मामला को निष्पादन

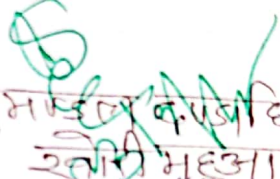
P.T. 0

भूमि मापी से संभव हो सकता है। इसके लिए पक्षकार जमीन मापी हेतु अंचल कार्यालय जावा में आवेदन दें। उक्त संदर्भ में अंचल अधिकारी नियमानुसार जमीन प्रतिनिधुक्त करें।

लगायी गयी गयी निषेधाज्ञा की अनुवि
समाप्त हो चुकी है। इसलिए वाद की कार्यवाही
समाप्त की जाती है।

लेखापत्र


अनुमंडल अधिकारी


अनुमंडल अधिकारी
रतनी मुंडुआ।